राजा मानसिंह तोमर संगीत एवं कला विश्वविद्यालय, ग्वालियर के अन्तर्गत

स्नातकोत्तर स्तर के नियमित पाठ्यक्रम

गायन/स्वरवाद्य

संगीत संकाय

आवश्यक निर्देश :–

1. इस पाठ्यक्रम को केवल वर्ष 2013 में प्रवेश लेने वाले छात्र ही देखें। वर्ष 2013 के पूर्व प्रवेश लेने वाले विद्यार्थी पुराने पाठ्यक्रम (ओल्ड सेलैबस) के कॉलम में देखें। क्योंकि वर्ष–2013 के पाठ्यक्रम और स्कीम(परीक्षा अंकन योजना) में परिवर्तन हुआ है।
2. वर्ष–2013 में बी.म्यूज. 3 वर्ष का हो गया है, इसके पूर्व चार वर्ष का था।
3. वर्ष–2013 से पूर्व में एम.म्यूज/एम.ए. के पाठ्यक्रम के प्रत्येक वर्ष में थ्योरी के 6 प्रश्न पत्र थे वर्तमान में मात्र 4 प्रश्न पत्र हो गये है।
4. गायन के शिक्षक तबले के प्रथम एवं द्वितीय सेमेस्टर के सहायक विषय(गायन) को, तबले के पाठ्यक्रम (सेलैबस) में देखें, तथा तबले के शिक्षक गायन के प्रथम एवं द्वितीय सेमेस्टर के सहायक विषय(तबला) को, गायन के पाठ्यक्रम (सेलैबस) में देखें।
5. वर्ष 2013 में सहायक विषयों के लिखित प्रश्नपत्र हटाकर मात्र प्रायोगिक पक्ष 50 नम्बर का रखा गया है।
6. वर्ष 2013 में स्नातक, स्नातकोत्तर, डिप्लोमा आदि सभी प्रकार के कोर्सों में आन्तरिक मूल्यांकन 50 नम्बर का नया स्कीम शुरू हुआ है। जिसमें कक्षा में सीखे पढ़े सांगीतिक नोट्स की फाईल और सांगीतिक कार्यक्रमों की रिपोर्ट फाइल दो अलग–2 बाह्य परीक्षक के समक्ष आन्तरिक परीक्षक को दिखाना है। फिर आन्तरिक परीक्षक उस फाईल को देखकर नम्बर चढ़ाकर फाईल विद्यार्थी को वापस देगा।
7. बी.ए. आनर्स का आन्तरिक मूल्यांकन तीनों विषयों के कक्षाध्यापक की कमेटी बनाकर अपने–अपने विषयों की फाईल देखकर संयुक्त रूप से नम्बर चढ़ायेंगे।
8. वर्ष 2013 में पाश्चात्य संगीत गिटार एवं कीबोर्ड तथा सुगम संगीत एवं लोकसंगीत में भी डिप्लोमा कोर्स संचालित किये गये हैं।

कृपया उपर्युक्त निर्देशों को ध्यान से पढ़कर इनके अनुसार पाठ्यक्रम का संचालन किया जाये अन्यथा इस विषय पर कोई तकनीकी परेशानी होने पर वि.वि. जिम्मेदार नहीं होगा।

अनुक्रमणिका

परिशिष्ठ क्रमांक	पाठ्यक्रम
	कक्ष संचालन व्याख्यान कैलेण्डर
परिशिष्ठ कं. 01	एम. म्यूज /एम.ए. गायन एवं स्वर वाद्य
	परीक्षा अंकन योजना
परिशिष्ठ कं. 02	एम. म्यूज /एम.ए. गायन एवं स्वर वाद्य
	महाविद्यालय स्तर के नियमित पाठ्यक्रम
परिशिष्ठ क.–03	एम. म्यूज/एम.ए. पूर्वार्द्ध सेमेस्टर 01 गायन एवं स्वर वाद्य
परिशिष्ठ क.–04	एम. म्यूज /एम.ए. पूर्वार्द्ध सेमेस्टर 02 गायन एवं स्वर वाद्य
परिशिष्ठ क.–05	एम. म्यूज /एम. ए. उत्तरार्द्ध सेमेस्टर 03 गायन एवं स्वर वाद्य
परिशिष्ठ क.–06	एम. म्यूज /एम.ए. उत्तरार्द्ध सेमेस्टर 04 गायन एवं स्वर वाद्य

परिशिष्ठ क.–01

CLASS SCHEDULE LECTURE LIST

Master of music & dance Monsoon Semester 20 Weeks /360 Teaching Hours:

Semester:	Paper:	Title:	Credits:	Subject Nature:	Hours /Week	Hours/ Semester
1	1	History of indian music .	3 (3 + 0)	Theory	3	60
1	2	Applied Principal of Theory	3 (3 + 0)	Theory	3	60
1	3	(Main subject) Hindustani Music Vocal. **OR** Learning Hindustani Music Instrumental Any one from the following –Violin, sitar, Flute, and Tabla/ PAKHAWAJ **OR** Learning Indian Classical Dance(Kathak, Bharatnatyam)	12(8+4)	Practical VIVA + STAGE	12	240
Total:						**360**

Master of music & dance Spring Semester 16 Weeks / 288 Teaching Hours:

Semester:	Paper:	Title:	Credits:	Subject Nature:	Hours /Week	Hours/Semester
2	1	History of indian music	3 (3 + 0)	Theory	3	48
2	2	Aesthetics in Music &Applied Principal of Theory	3 (3 + 0)	Theory	3	48
2	3	(Main subject) Hindustani Music. Vocal. **OR** Learning Hindustani Music Instrumental Any one from the following –Violin, sitar, Flute, and Tabla/ PAKHAWAJ **OR** Learning Indian Classical Dance(Kathak, Bharatnatyam))	12(8+4)	Practical VIVA + STAGE	12	192
Total						**288**

Master of music & dance Monsoon Semester 20 Weeks / 360 Teaching Hours:

Semester:	Paper:	Title:	Credits:	Subject Nature:	Hours /Week	Hours/ Semester
3	1	History of indian music	3 (3 + 0)	Theory	3	60
3	2	Science of music	3 (3 + 0)	Theory	3	60
3	3	(Mainsubject)Hindustani Music Vocal. **OR** Learning Hindustani Music Instrumental Any one from the following –Violin, sitar, Flute, and Tabla/ PAKHAWAJ **OR** Learning Indian Classical Dance (Kathak,Bharatnatyam))	12(8+4)	Practical VIVA + STAGE	12	240
Total:						**360**

Master of music & dance Spring Semester 16 Weeks / 288 Teaching Hours:

Semester:	Paper:	Title:	Credits:	Subject Nature:	Hours/ Week	Hours/ Semester
4	1	History of indian music	3 (3 + 0)	Theory	3	48
4	2	Applied Principal of Theory	3 (3 + 0)	Theory	3	48
4	3	(Main subject)Hindustani Music Vocal. **OR** Learning Hindustani Music Instrumental Any one from the following –Violin, sitar, Flute, and Tabla/ PAKHAWAJ **OR** Learning Indian Classical Dance (Kathak,Bharatnatyam))	12(8+4)	Practical VIVA + STAGE	12	192
Total:						**288**

Note :-

1. **This formate will be affective in all foundation, subsidary and main subject of university in all bechlor, s master's degree and equalent courses run by the University.**
2. **According to the norms of the UGC, every Assistant professor shall have to take maximum 16 credit classes weekly essentially.**
3. **All practical and theory Exams of monsoon semester should get over by 12th December and spring semester by 10th may respectively.**

परिशिष्ठ क.–02

MARKING SCHEME

M.MUS/M.A. (I YEAR) (I SEMESTER)

NO	SUBJECT	MAX	MIN	C.C.C.	MIN	TOTAL
1	**VOCAL/INSTRUMENTAL** (NONPERCUSSION) **THEORY-I** History of indian music	85	28	15	5	100
	THEORY-II aplied principals of music	85	28	15	5	100
	PRACTICAL-I Demonstration and viva	150	50			150
	PRACTICL-II STAGE PERFORMANCE	100	33			100
2	**INTERNAL ASSESSMENT** **(Notation,Rag description & Music programme attending report file)**	50	17			50
	GRAND TOTAL					**500**

M.MUS/M.A. (IYEAR) (II SEMESTER)

NO	SUBJECT	MAX	MIN	C.C.C.	MIN	TOTAL
1	**VOCAL/INSTRUMENTAL** (NONPERCUSSION) **THEORY-I** History of indian music	85	28	15	5	100
	THEORY-II aplied principals of music	85	28	15	5	100
	PRACTICAL-I Demonstration and viva	150	50			150
	PRACTICL-II STAGE PERFORMANCE	100	33			100
2	**INTERNAL ASSESSMENT** **(Notation,Rag description & Music programme attending report file)**	50	17			50
	GRAND TOTAL					**500**

M.MUS/M.A. (II YEAR) (III SEMESTER)

NO	SUBJECT	MAX	MIN	C.C.C.	MIN	TOTAL
1	**VOCAL/INSTRUMENTAL** (NONPERCUSSION) **THEORY-I** History of indian music	85	28	15	5	100
	THEORY-II Science of music	85	28	15	5	100
	PRACTICAL-I Demonstration and viva	150	50			150
	PRACTICL-II STAGE PERFORMANCE	100	33			100
2	**INTERNAL ASSESSMENT** **(Notation,Rag description & Music programme attending report file)**	50	17			50
	GRAND TOTAL					**500**

M.MUS/M.A. (II YEAR) (IV SEMESTER)

NO	SUBJECT	MAX	MIN	C.C.C.	MIN	TOTAL
1	**VOCAL/INSTRUMENTAL** (NONPERCUSSION) **THEORY-I** History of indian music	85	28	15	5	100
	THEORY-II aplied principals of music	85	28	15	5	100
	PRACTICAL-I Demonstration and viva	150	50			150
	PRACTICL-II STAGE PERFORMANCE	100	33			100
2	**INTERNAL ASSESSMENT** **(Notation,Rag description & Music programme attending report file)**	50	17			50
	GRAND TOTAL					**500**

परिशिष्ठ क.–03

एम.म्यूज. / एम.ए. प्रथम वर्ष –गायन / स्वरवाद्य
प्रथम सेमेस्टर– प्रथम प्रश्न पत्र (सैद्धांतिक)
भारतीय संगीत का इतिहास

समय : 3 घण्टे

शास्त्र प्रश्न पत्र : 85
सी.सी.ई. : 15
पूर्णांक : 100

इकाई–1

1. संगीत की उत्पत्ति से संबंधित विभिन्न मतों का परिचय।
2. मध्यकालीन संगीत का इतिहास एवं विकास ।

इकाई–2

1. भरतकृत नाट्यशास्त्र, नारदकृत नारदीय शिक्षा एवं संगीत मकरन्द का सामान्य परिचय व संगीत से संबंधित अध्यायों की विषय सामग्री की जानकारी।
2. जाति की परिभाषा, लक्षण तथा भेद एवं ग्राम की परिभाषा एवं प्रकार।

इकाई–3

1. पुष्टि मार्गीय संगीत (हवेली संगीत), राग ध्यान एवं राग–'रागिनी वर्गीकरण।
2. सारणा चतुष्टयी का अध्ययन तथा शोध प्रविधि की धारणा एवं महत्व।

इकाई–4

1. रविन्द्र संगीत का सामान्य अध्ययन व उसके प्रकार।
2. उच्च शिक्षा की अवधारणा एवं उद्वेश्य तथा भातखण्डे एवं विष्णु दिगम्बर स्वर लिपि पद्वत्ति की पाश्चात्य स्वर लिपि पद्वत्ति से तुलना

इकाई–5

1. रवीन्द्रनाथ ठाकुर, पं. एस. एन. रातंजनकर, पं. बलवन्त राय भट्ट ''भावरंग'', संगीत शास्त्र विदुषी प्रो. प्रेमलता शर्मा का सांगीतिक योगदान।
2. संगीत संबंधी निम्नलिखित विषयों पर न्यूनतम 300 शब्दों में निबन्ध।

    I गुरू शिष्य परंपरा एवं संस्थागत शिक्षण
    II वैज्ञानिक उपकरणों की उपयोगिता।
    III संगीत का पुनरूथान।
    IV संगीत समसामयिक प्रवृत्तियां।

एम.म्यूज./एम.ए. प्रथम वर्ष –गायन/स्वरवाद्य

प्रथम सेमेस्टर–द्वितीय प्रश्न पत्र (सैद्धांतिक)

संगीत शास्त्र के क्रियात्मक सिद्धांत

समय : 3 घण्टे

शास्त्र प्रश्न पत्र	:	85
सी.सी.ई.	:	15
पूर्णांक	:	100

इकाई–1

1. पाठ्यक्रम के रागों का शास्त्रीय परिचय। (मारूबिहाग, श्यामकल्याण, शुद्धसारंग, भूपाल तोडी, पूर्वी, श्री, पूरिया कल्याण, गुर्जरी तोडी)
2. भैरव, तोडी रागांगों का विशेष अध्ययन तथा इन अंगों के अंतर्गत आने वाले रागों का विश्लेषणात्मक अध्ययन।

इकाई–2

1. राग रागिनी वर्गीकरण तथा मेल राग वर्गीकरण।
2. घराने का अर्थ एवं महत्व, ख्याल गायन के दिल्ली व पटियाला घरानों की जानकारी।

इकाई–3

1. काकु, कुतुप, वृन्द का शास्त्रीय परिचय।
2. ध्रुपद एवं ख्याल की उत्पत्ति और विकास तथा वाद्य संगीत की गतों का विश्लेषणात्मक अध्ययन।

इकाई–4

1. छंद और ताल का संबंध एवं दिये हुए पद्यांश अथवा वाद्यगत बोल रचना को पाठ्यक्रम में से उपयुक्त राग व ताल को चुनकर उसमें निबद्ध करना।

1. ब्रह्म, रूद्र एवं जत ताल का ठेका एवं परिचय।

इकाई–5

1. त्रिताल, एकताल, झपताल को आड, कुआड एवं बिआड की लयकारी में लिखने का अभ्यास।
2. भारतीय संगीत के लिये आवश्यक कंठ संस्कार की विधि।

प्रायोगिक:-1 प्रदर्शन एवं मौखिक

पूर्णांक : 150

1. पूर्व पाठ्यक्रमों की पुनरावृत्ति एवं निम्नलिखित रागों में से किन्हीं छः रागों में विलम्बित ख्याल/मसीतखानी गत एवं सभी रागों में छोटा ख्याल/रजाखानी गत का विस्तृत गायकी या तंत्रकारी सहित प्रस्तुततीकरण। राग :— मारूबिहाग, श्यामकल्याण, शुद्धसारंग, भूपालतोडी, श्री, पूर्वी, पूरियाकल्याण, गुर्जरी तोडी।
2. पाठ्यक्रम के निर्धारित रागों में से एक ध्रुपद, एक धमार उपज सहित व लयकारियों सहित प्रस्तुत करना।
3. पाठ्यक्रम के रागों में से एक तराना या त्रिवट/चतुरंग का गायकी सहित प्रदर्शन। वाद्य के परीक्षार्थियों हेतु तीनताल से पृथक किन्हीं अन्य दो तालों में रचनाओं का आलाप, तान सहित वादन।

प्रायोगिक:-2 मंच प्रदर्शन

पूर्णांक : 100

1 परीक्षार्थी द्वारा निर्धारित पाठ्यक्रम में से कोई एक राग चुनकर विलम्बित एवं मध्य लय की रचना का विस्तृत गायकी/तंत्रकारी सहित प्रदर्शन।

2 परीक्षक द्वारा दिये गये पांच रागों में से किसी एक राग की गायकी/तंत्रकारी के साथ प्रस्तुति।

3 पाठ्यक्रम के निर्धारित रागों में से एक ध्रुपद या धमार, तराना का प्रदर्शन। वाद्य के परीक्षार्थियों के लिये तीनताल के अतिरिक्त किसी रचना अथवा धुन का प्रदर्शन।

आंतरिक मूल्यांकन

पूर्णांक: 50

आवश्यक निर्देश—: आंतरिक मूल्यांकन के अन्तर्गत प्रत्येक सेमेस्टर एवं प्रत्येक कोर्स के विद्यार्थियों को प्रायोगिक परीक्षा के समय दो फाईल प्रस्तुत करनी होगी।

1. कक्षा में सीखे गये रागो की स्वर लिपि/तोड़ो का विवरण
2. विश्वविद्यालय एवं नगर में आयोजित संगीत कार्यक्रमों की रिर्पोट

संदर्भ ग्रंथ

1. हिन्दुस्तानी क्रमिक पुस्तक मालिका भाग 2 से 6 — पं. विष्णु नारायण भातखण्डे
2. संगीत प्रवीण दर्शिका — श्री एल. एन. गुणे
3. संगीत विशारद — श्री लक्ष्मीनारायण गर्ग
4. अभिनव गीतांजलि भाग 1 से 5 — श्री रामाश्रय झा
5. संगीत बोध — श्री शरदचन्द्र परांजपे
6. वाद्य वर्गीकरण — श्री लालमणि मिश्र
7. हमारे संगीत रत्न — श्री लक्ष्मीनारायण गर्ग
8.चतुरंग — श्री सज्जनलाल भट्ट
9.संगीत शास्त्र — श्री तुलसीराम देवांगन
10 भारतीय संगीत का इतिहास — श्री उमेश जोशी
11निबंध संगीत — श्री लक्ष्मीनारायण गर्ग
12.निबंध संगीत — श्री आर. एन. अग्निहोत्री
13.तन्त्री वादन की वादन कला — डॉ. प्रकाश महाडिक
14.भावरंग लहरी — पं. बलवंतराय भट्ट "भावरंग"
15.ग्वालियर घराने के वाग्गेयकार रचनाकार — डॉ. अभय दुबे
16. भारतीय संगीत एक ऐतिहासिक विश्लेषण — प्रो. स्वतन्त्र शर्मा
17. सौदर्न्य रस एवं संगीत — प्रो. स्वतन्त्र शर्मा
18. पाश्चात्य स्वरलिपि पद्वत्ति एवं भारतीय संगीत — प्रो. स्वतन्त्र शर्मा

परिशिष्ठ क.–04

एम.म्यूज./एम.ए. प्रथम वर्ष –गायन/स्वरवाद्य
द्वितीय सेमेस्टर–प्रथम प्रश्न पत्र सैद्धांतिक
भारतीय संगीत का इतिहास

समय : 3 घण्टे

शास्त्र प्रश्न पत्र	:	85
सी.सी.ई.	:	15
पूर्णांक	:	100

इकाई–1

1. वैदिक कालीन संगीत, रामायण कालीन संगीत व महाभारत कालीन संगीत अध्ययन।
2. मौर्य कालीन तथा गुप्त कालीन संगीत अध्ययन।

इकाई–2

1. संगीत रत्नाकर एवं बृहददेशी ग्रंथों की विषय सामग्री व ग्रंथों का परिचय।
2. भारतीय संगीत की दो धाराओं गांधर्व एवं गान तथा मार्ग एवं देशी का विस्तृत अध्ययन।

इकाई–3

1. मूर्च्छना की परिभाषा व प्रकार। वर्तमान में प्रचलित किसी एक थाट से मूर्च्छना के आधार पर अन्य थाटों की उत्पत्ति।
2. स्वर प्रस्तार, खण्ड मेरू, नष्ट एवं उदिष्ट विधि का अध्ययन तथा संगीत में बंदिश का महत्व।

इकाई–4

1. भारतीय संगीत में वाद्यों के वर्गीकरण के आधार पर तत् व वितत् वाद्यों का स्पष्टीकरण।
2. निम्नलिखित रागों का विवेचनात्मक अध्ययन। अहीर भैरव, देसी, जोग, मधुवंती, पटदीप, देवगिरी बिलावल, यमनी बिलावल, बिलासखानी तोडी, नंद, बैरागी भैरव।

इकाई–5

1. स्थाय एवं उनके प्रकार।
2. उ. जिया मोईउद्दीन डागर, राजा नवाब अली, पं. रामचतुर मलिक, उ. बहराम खॉ, पं. भीमसेन जोशी, संत त्यागराज का जीवन परिचय व सांगीतिक योगदान।

एम.म्यूज./एम.ए. प्रथम वर्ष –गायन/स्वरवाद्य
द्वितीय सेमेस्टर– द्वितीय प्रश्न पत्र सैद्धांतिक
संगीत शास्त्र के क्रियात्मक सिद्धांत

समय : 3 घण्टे

शास्त्र प्रश्न पत्र	: 85
सी.सी.ई.	: 15
पूर्णांक	: 100

इकाई–1

1. पं. भातखण्डे जी द्वारा निर्दिष्ट हिन्दुस्तानी संगीत पद्धति के सर्वसाधारण नियम।
2. निम्नलिखित रागांगों का विशेष अध्ययन।
   कल्याण व बिलावल इन अंगों के अंतर्गत आने वाले रागों का विश्लेषणात्मक अध्ययन।

इकाई–2

1. वैदिक कालीन संगीत के सप्तक का विकास तथा संगीतिक स्वरान्तर।
2. स्वर गुणांतर, स्वर संवाद, षड्ज मध्यम व षडज पंचम भाव से सप्तक की रचना।
3. शिखर, गजझम्पा तालों का परिचय एवं उनकी लयकारियां।

इकाई–3

1. हारमनी व मैलोडी का तुलनात्मक अध्ययन।
2. दिये गये पद्यांश अथवा वाद्यगत बोल रचना को पाठ्यक्रम के उपयुक्त राग व ताल में चुनकर उसमें निबद्ध करना।

इकाई–4

1. रस की अवधारणा एवं मतांतर तथा स्वर व रस का पारस्परिक संबंध।
2. सौंदर्यशास्त्र –एक विश्लेषण भारतीय एवं पाश्चात्य मतानुसार।
3. संगीत का सौन्दर्य एवं रस से सम्बंध।

इकाई–5

1. रूद्रवीणा, सितार, सुरबहार, सारंगी, शहनाई वाद्यों की उत्पत्ति और विकास।
2. सेनिया घराने के मुख्य कलाकारों का परिचय।
3. संगीत संबंधी निम्नलिखित विषयों पर न्यूनतम 300 शब्दों में निबन्ध।

   I संगीत और अध्यात्म ।
   II संगीत एवं भाव।
   III संगीत का मनोवैज्ञानिक पक्ष।
   IV संगीत का अन्य ललित कलाओं से सम्बंध।

एम.म्यूज../एम.ए. प्रथम वर्ष –गायन/स्वरवाद्य
द्वितीय सेमेस्टर
प्रायोगिक:-1 प्रदर्शन एवं मौखिक

पूर्णांक : 150

1. पूर्व पाठ्यक्रमों की पुनरावृत्ति एवं निम्नलिखित रागों में से किन्हीं छः रागों में एक बडा ख्याल या विलम्बित रचना, एक छोटा ख्याल या मध्य लय की रचना विस्तृत गायकी या तंत्रकारी सहित प्रस्तुत करना। राग : – अहीर भैरव, देसी, जोग, मधुवंती, पटदीप, देवगिरी बिलावल, यमनी बिलावल, बिलासखानी तोडी, नंद, बैरागी भैरव।
2. पाठ्यक्रम के निर्धारित रागों में से एक ध्रुपद, एक धमार, उपज एवं लयकारी सहित प्रस्तुत करना।
3. पाठ्यक्रम के निर्धारित रागों में एक तराना, त्रिवट या चतुरंग अथवा टप्पा या ठुमरी प्रस्तुत करना। वाद्य के परीक्षार्थियों के लिये त्रिताल के अतिरक्ति किन्हीं अन्य दो तालों में विस्तृत तंत्रकारी सहित रचना प्रस्तुत करना।
4. अपने वाद्य को मिलाने का अभ्यास एवं राग पहचान।

प्रायोगिक:-2 मंच प्रदर्शन

पूर्णांक : 100

1 परीक्षार्थी द्वारा निर्धारित पाठ्यक्रम में से कोई एक राग चुनकर बडा ख्याल या विलम्बित रचना, छोटा ख्याल या द्रुत लय की रचना को विस्तृत गायकी/तंत्रकारी सहित प्रस्तुतिकरण।

2 पाठ्यक्रम में निर्धारित परीक्षक द्वारा दिये गये पांच रागों में से एक राग की प्रस्तुति।

3 पीलू, चारूकेशी, माण्ड रागों मे से किसी एक राग में ठुमरी, टप्पा, भजन अथवा धुन का प्रदर्शन।

आंतरिक मूल्यांकन

पूर्णांकः 50

आवश्यक निर्देश–: आंतरिक मूल्यांकन के अन्तर्गत प्रत्येक सेमेस्टर एवं प्रत्येक कोर्स के विद्यार्थियों को प्रायोगिक परीक्षा के समय दो फाईल प्रस्तुत करनी होगी।

1. कक्षा में सीखे गये रागो की स्वर लिपि/तोड़ो का विवरण
2. विश्वविद्यालय एवं नगर में आयोजित संगीत कार्यक्रमों की रिर्पोट

संदर्भ ग्रंथ

1. हिन्दुस्तानी क्रमिक पुस्तक मालिका भाग 2 से 6 – पं. विष्णु नारायण भातखण्डे
2. संगीत प्रवीण दर्शिका – श्री एल. एन. गुणे
3. संगीत विशारद – श्री लक्ष्मीनारायण गर्ग
4. अभिनव गीतांजलि भाग 1 से 5 – श्री रामाश्रय झा
5. संगीत बोध – श्री शरदचन्द्र परांजपे
6. वाद्य वर्गीकरण – श्री लालमणि मिश्र
7. हमारे संगीत रत्न – श्री लक्ष्मीनारायण गर्ग
8.चतुरंग – श्री सज्जनलाल भट्ट
9.संगीत शास्त्र – श्री तुलसीराम देवांगन
10 भारतीय संगीत का इतिहास – श्री उमेश जोशी
11निबंध संगीत – श्री लक्ष्मीनारायण गर्ग
12.निबंध संगीत – श्री आर. एन. अग्निहोत्री
13.तन्त्री वादन की वादन कला – डॉ. प्रकाश महाडिक
14.भावरंग लहरी – पं. बलवंतराय भट्ट ''भावरंग''
15.ग्वालियर घराने के वाग्गेयकार रचनाकार – डॉ. अभय दुबे
16. भारतीय संगीत एक ऐतिहासिक विश्लेषण – प्रो. स्वतन्त्र शर्मा
17. सौदर्न्य रस एवं संगीत – प्रो. स्वतन्त्र शर्मा
18. पाश्चात्य स्वरलिपि पद्वत्ति एवं भारतीय संगीत – प्रो. स्वतन्त्र शर्मा

परिशिष्ट क्र.–05

एम.म्यूज. / एम.ए. द्वितीय वर्ष –गायन / स्वरवाद्य
तृतीय सेमेस्टर– प्रथम प्रश्न पत्र सैद्धांतिक
भारतीय संगीत का इतिहास

समय : 3 घण्टे

शास्त्र प्रश्न पत्र	:	85
सी.सी.ई.	:	15
पूर्णांक	:	100

इकाई–1

1. मुगलकाल एवं उत्तर भारतीय संगीत।
2. स्वतन्त्रता के पूर्व एवं स्वतंत्रता के पश्चात् हिन्दुस्तानी संगीतउ की स्थिति।

इकाई–2

1 भरत तथा शारंगदेव के शुद्ध एवं विकृत स्वरों का अध्ययन।
2 रामामात्य एवं व्यंकटमखी के ग्रंथो का अध्ययन।

इकाई–3

1 प्रबंध की परिभाषा एवं प्रकार। प्रबंध के धातु एवं अंगों का परिचय।
2 पाठ्यक्रम के रागों में बन्दिश, आलाप, तान लेखन। पाठ्यक्रम के रागों का तुलनात्मक अध्ययन।
(झिंझोटी, चन्द्रकौंस, नट भैरव, वसंत मुखारी, गोरख कल्याण, आभोगी कान्हडा, नायकी कान्हडा, मध्यमाद सारंग, सूर मल्हार)

इकाई–4

1 आधुनिक इलेक्ट्रॉनिक वाद्य यंत्रों का संगीत में उपयोग एवं इनसे होने वाले लाभ एवं हानि न्यूनतम 400 शब्दों में विषय पर निबन्ध।
2. दिये गये पद्यांश या वाद्यगत बोल रचना को पाठ्यक्रम के उपयुक्त राग एवं ताल में निबद्ध करना।

इकाई–5

1 मध्ययुग में भारतीय संगीत पर विदेशी संगीत के प्रभाव का अध्ययन।
2 स्वरमेल कलानिधि, राग तरंगिणी ग्रंथों का परिचय।
3 प्रो. एन. राजम्, उस्ताद अमजद अली खॉ, नारायण राव व्यास, विनायक राव पटवर्धन का जीवन परिचय।

एम.म्यूज/एम.ए. द्वितीय वर्ष –गायन/स्वरवाद्य
तृतीय सेमेस्टर –द्वितीय प्रश्न पत्र
संगीत का विज्ञान

समय : 3 घण्टे

शास्त्र प्रश्न पत्र : 85
सी.सी.ई. : 15
पूर्णांक : 100

इकाई–1

1 ध्वनि की उत्पत्ति – तरंग, वेग। सांगीतिक ध्वनि एवं असांगीतिक ध्वनि का विश्लेषणात्मक अध्ययन।
2 मेल राग वर्गीकरण का अध्ययन।

इकाई–2

1 आन्दोलन, कम्पन, डोल, आवृत्ति, अनुनाद, अनुरणन का परिचय।
2 भारतीय संगीत में वृंदगान एवं वृंदवादन।

इकाई–3

1 स्वस्थान नियम एवं आलप्ति के प्रकारों की जानकारी।
2 कर्णनेन्द्रीय की सचित्र जानकारी।

इकाई–4

1 कंठ स्वर संस्थान की सचित्र जानकारी।
2 नाद की संगीत उपयोगिता, स्वयगंभू स्वर, उपस्वर की विवेचना।

इकाई–5

1 भारतीय शास्त्रीय संगीत के रागों का चिकित्सीय प्रभाव। (संगीत चिकित्सा पद्धति)
2 भारतीय शास्त्रीय संगीत का मनोवैज्ञानिक प्रभाव।

एम.म्यूज./एम.ए द्वितीय वर्ष –गायन/स्वरवाद्य
तृतीय सेमेस्टर–प्रायोगिकः-1 प्रदर्शन एवं मौखिक

पूर्णांक : 150

1 पूर्व पाठ्यक्रमों की पुनरावृत्ति एवं निम्नलिखित रागों में से 6 रागों में विलम्बित ख्याल/मसीतखानी गत एवं सभी रागों में मध्यलय ख्याल/रजाखानी गत की रचना (विस्तृत गायकी या तंत्रकारी के साथ) झिंझोटी, चन्द्रकौंस, नट भैरव,वसंत मुखारी, गोरख कल्याण, आभोगी कान्हडा, नायकी कान्हडा, मध्यमाद सारंग, सूर मल्हार।

2 उपरोक्त रागों में से एक ध्रुपद एवं एक धमार। लयकारी सहित दो तराने गायकी सहित/वाद्य के विद्यार्थियों के लिये तीनताल के अतिरिक्त अन्य 2 तालों में रचना एवं धुन।

प्रायोगिक–2 मंच प्रदर्शन

पूर्णांक : 100

1. परीक्षार्थी द्वारा निर्धारित पाठ्यक्रम में से कोई एक राग इच्छानुसार चुनकर 20 मिनिट में बडा ख्याल/मसीतखानी गत का प्रदर्शन।

2. परीक्षक द्वारा दिये गये पॉच रागों में से किसी एक राग की प्रस्तुति।

3. ठुमरी–दादरा की प्रस्तुति – राग तिलंग, खमाज, काफी।
   वाद्य के परीक्षार्थियों के लिये किसी एक धुन का प्रदर्शन।

आंतरिक मूल्यांकन

पूर्णांकः 50

आवश्यक निर्देश–: आंतरिक मूल्यांकन के अन्तर्गत प्रत्येक सेमेस्टर एवं प्रत्येक कोर्स के विद्यार्थियों को प्रायोगिक परीक्षा के समय दो फाईल प्रस्तुत करनी होगी।

1. कक्षा में सीखे गये रागो की स्वर लिपि/तोड़ो का विवरण
2. विश्वविद्यालय एवं नगर में आयोजित संगीत कार्यक्रमों की रिर्पोट

संदर्भ ग्रंथ

1. हिन्दुस्तानी क्रमिक पुस्तक मालिका भाग 2 से 6 – पं. विष्णु नारायण भातखण्डे
2. संगीत प्रवीण दर्शिका – श्री एल. एन. गुणे
3. संगीत विशारद – श्री लक्ष्मीनारायण गर्ग
4. अभिनव गीतांजलि भाग 1 से 5 – श्री रामाश्रय झा
5. संगीत बोध – श्री शरदचन्द्र परांजपे
6. वाद्य वर्गीकरण – श्री लालमणि मिश्र
7. हमारे संगीत रत्न – श्री लक्ष्मीनारायण गर्ग
8. चतुरंग – श्री सज्जनलाल भट्ट
9.संगीत शास्त्र – श्री तुलसीराम देवांगन
10 भारतीय संगीत का इतिहास – श्री उमेश जोशी
11निबंध संगीत – श्री लक्ष्मीनारायण गर्ग
12.निबंध संगीत – श्री आर. एन. अग्निहोत्री
13.तन्त्री वादन की वादन कला – डॉ. प्रकाश महाडिक
14.भावरंग लहरी – पं. बलवंतराय भट्ट ''भावरंग''
15.ग्वालियर घराने के वाग्गेयकार रचनाकार – डॉ. अभय दुबे
16. भारतीय संगीत एक ऐतिहासिक विश्लेषण – प्रो. स्वतन्त्र शर्मा
17. सौदर्न्य रस एवं संगीत – प्रो. स्वतन्त्र शर्मा
18. पाश्चात्य स्वरलिपि पद्वत्ति एवं भारतीय संगीत – प्रो. स्वतन्त्र शर्मा

परिशिष्ठ क्र.–06

एम.म्यूज./एम.ए. द्वितीय वर्ष –गायन/स्वरवाद्य
चतुर्थ सेमेस्टर–प्रथम प्रश्न पत्र
भारतीय संगीत का इतिहास

समय : 3 घण्टे

शास्त्र प्रश्न पत्र : 85
सी.सी.ई. : 15
पूर्णांक : 100

इकाई–1

1. श्रुतियों के विभिन्न माप, प्रमाण श्रुति, उपमहति श्रुति और महति श्रुति का अध्ययन।
2. व्यंकटमखी और अहोबल के शुद्ध एवं विकृत स्वरों का अध्ययन।

इकाई–2

1. ध्रुपद–धमार की उत्पत्ति एवं दरभंगा, डागर, विष्णुपुर ख्याल एवं ठुमरी का विकास।
2. ध्रुपद शैली का ख्याल और वादन की शैलियों पर हुए प्रभाव का अध्ययन।

इकाई–3

1 संगीत पारिजात एवं चर्तुदण्डि प्रकाशिका ग्रंथों का परिचय।
2 मार्ग एवं देशी ताल पद्धति का परिचय।

इकाई–4

1 ताल के दस प्राणों का अध्ययन।
2 कर्नाटक संगीत पद्धति के प्रमुख गीत प्रकारों का अध्ययन एवं कर्नाटक और हिन्दूस्तानी संगीत पद्वति के मिलते–जुलते राग, स्वर रूप की दृष्टि से।

इकाई–5

1 अष्टछाप के संत कवियों का सांगीतिक योगदान।
2 सांगीतिक योगदानः– पं. ओंकारनाथ ठाकुर, पं. कुमार गंधर्व, उस्ताद अब्दुलकरीम खॉं, उस्ताद हाफिज अली खॉं।
3 संगीत संबंधी निम्नलिखित विषयों पर न्यूनतम 300 शब्दों में निबन्ध।

I संगीत गोष्ठियों व सम्मेलन का आयोजन ।
II संगीत का सामाजिक पक्ष।
III रंगमंच में संगीत की भूमिका।
IV लोकप्रिय संगीत पर विदेशी संगीत का प्रभाव।

एम.म्यूज/एम.ए. द्वितीय वर्ष –गायन/स्वरवाद्य
चतुर्थ सेमेस्टर–द्वितीय प्रश्न पत्र
संगीत के क्रियात्मक सिद्धांत

समय : 3 घण्टे

शास्त्र प्रश्न पत्र : 85
सी.सी.ई. : 15
पूर्णांक : 100

इकाई–1

1 रागांग वर्गीकरण के अंतर्गत सारंग कान्हडा भैरव एवं मल्हार रागांगों का अध्ययन।

1. पाठ्यक्रम के रागों में बंदिशों की स्वरलिपि, आलाप व तान लिखना तथा पाठ्यक्रम के रागों का तुलनात्मक अध्ययन।

इकाई–2

1 थाट राग वर्गीकरण का अध्ययन एवं पाठ्यक्रम रचना के सिंद्वात।

1 गणितानुसार हिन्दुस्तानी संगीत पद्धति के 32 एवं कर्नाटक संगीत के 72 मेलों की निर्माण विधि। स्वरों की संख्या के आधार पर एक राग से 484 राग बनाने की विधि।

इकाई–3

1 दिये गये पद्यांश या वाद्य गत बोल रचना को पाठ्यक्रम के उपयुक्त राग एवं ताल में निबद्ध करना।

2. शोध प्राविधि का सामान्य अध्ययन, एवं भारतीय संगीत में शोध की संभावनाएँ।

इकाई–4

1. आड, कुआड एवं बिआड की उदाहरण सहित व्याख्या।

1 अपने सम समान्तरालीय स्वर सप्तक के गुण एव दोष।

इकाई–5

1 विश्व संगीत के अंतर्गत तीन देशों– अरब, चीन एवं जापान के संगीत का संक्षिप्त इतिहास।

2 भारतीय शास्त्रीय संगीत का विदेशों में प्रचार प्रसार एवं भारतीय संगीत का वैश्वीकरण।

एम.म्यूज. / एम.ए द्वितीय वर्ष –गायन / स्वरवाद्य
चतुर्थ सेमेस्टर–प्रायोगिकः-1 प्रदर्शन एवं मौखिक

पूर्णांक : 150

1 पूर्व पाठ्यक्रमों की पुनरावृत्ति एवं निम्नलिखित रागों में से 6 रागों में विलम्बित ख्याल एवं छोटे ख्याल / मसीतखानी गत, रजाखानी गत की प्रस्तुति (विस्तृत गायकी या तंत्रकारी के साथ)।
कौंसी कान्हडा, मेघमल्हार, गौड मल्हार, जोगकौंस, मधुकौंस, भटियार, जोगिया, कोमल रिषभ आसावरी।

2 उपरोक्त रागों में से एक ध्रुपद, एक धमार, लयकारी सहित एवं दो तराने गायकी सहित। वाद्य के विद्यार्थियों के लिये तीनताल के अतिरिक्त तीन विभिन्न तालों में रचना या धुन।

प्रायोगिक–2 मंच प्रदर्शन

पूर्णांक : 100

1 परीक्षार्थी द्वारा निर्धारित पाठ्यक्रम में से कोई एक राग इच्छानुसार चुनकर 20 मिनिट मे बडा ख्याल, मसीतखानी गत का प्रदर्शन।

2 परीक्षक द्वारा दिये गये 5 रागों में से किसी एक राग की प्रस्तुति।

3 ठुमरी–दादरा की प्रस्तुति।
पहाडी, शिवरंजनी, किरवाणी।
वाद्य के परीक्षार्थियों के लिये किसी एक धुन का प्रदर्शन।

आंतरिक मूल्यांकन

पूर्णांकः 50

आवश्यक निर्देश–: आंतरिक मूल्यांकन के अन्तर्गत प्रत्येक सेमेस्टर एवं प्रत्येक कोर्स के विद्यार्थियों को प्रायोगिक परीक्षा के समय दो फाईल प्रस्तुत करनी होगी।

1. कक्षा में सीखे गये रागो की स्वर लिपि / तोड़ो का विवरण
2. विश्वविद्यालय एवं नगर में आयोजित संगीत कार्यक्रमों की रिर्पोट

संदर्भ ग्रंथ–:

1. हिन्दुस्तानी क्रमिक पुस्तक मालिका भाग 2 से 6 – पं. विष्णु नारायण भातखण्डे
2. संगीत प्रवीण दर्शिका – श्री एल. एन. गुणे
3. संगीत विशारद – श्री लक्ष्मीनारायण गर्ग
4. अभिनव गीतांजलि भाग 1 से 5 – श्री रामाश्रय झा
5. संगीत बोध – श्री शरदचन्द्र परांजपे
6. वाद्य वर्गीकरण – श्री लालमणि मिश्र
7. हमारे संगीत रत्न – श्री लक्ष्मीनारायण गर्ग
8.चतुरंग – श्री सज्जनलाल भट्ट
9.संगीत शास्त्र – श्री तुलसीराम देवांगन
10 भारतीय संगीत का इतिहास – श्री उमेश जोशी
11निबंध संगीत – श्री लक्ष्मीनारायण गर्ग
12.निबंध संगीत – श्री आर. एन. अग्निहोत्री
13.तन्त्री वादन की वादन कला – डॉ. प्रकाश महाडिक
14.भावरंग लहरी – पं. बलवंतराय भट्ट ''भावरंग''
15.ग्वालियर घराने के वाग्गेयकार रचनाकार – डॉ. अभय दुबे
16. भारतीय संगीत एक ऐतिहासिक विश्लेषण – प्रो. स्वतन्त्र शर्मा
17. सौदर्न्य रस एवं संगीत – प्रो. स्वतन्त्र शर्मा
18. पाश्चात्य स्वरलिपि पद्वत्ति एवं भारतीय संगीत – प्रो. स्वतन्त्र शर्मा
15.तन्त्री वादन की वादन कला – डॉ. प्रकाश महाडिक